CBSE Class– Hindi

NCERT Solutions

रिमझिम पाठ- 14. मुफ़्त ही मुफ़्त

<u>तुम्हारी समझ</u>

(क) हर बार भीखुभाई कम दाम देना चाहते थे| क्यों?

उत्तर- हर बार भीखुभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वे कंजूस थे|

(ख) हर जगह नारियल के दाम में फर्क क्यों था?

उत्तर- नारियल के बगीचे में उनका दाम सबसे कम था क्योंकि वहाँ वह पैदा होता था नारियल जैसे-जैसे आगे पहुँचता गया, उसमें और भी कम लोगों की कमाई जुड़ती गई| इसलिए हर जगह नारियल के दाम में फर्क था|

(ग) क्या भीखुभाई को नारियल सच में मुफ़्त में ही मिला? क्यों?

उत्तर- भिखूभाई को नारियल सच में मुफ्त में ही नहीं मिला| उसके लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ी| इस तरह उनका मेहनताना तो नारियल की कीमत से कही ज्यादा ही था|

(घ) वे खेत में बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए | तुम्हारे विचार से कहा नी बरगद को बुढ़ा क्यों कहा गया होगा?

उत्तर - बरगद बहुत पुराना होगा| उसकी डालियाँ भी कमजोर हो गई होगी इसलिए बरगद को बुढ़ा कहा गया होगा|

<u>भीखुभाई ऐसे थे</u>

कहानी को पढकर तुम भी भिखु भाई के बारे में काफी कुछ जान गए होंगे | भिखु भाई के बारे में कुछ बाते बताओं|

उत्तर - (क) उन्हें खाने-पीने का शौक था|

(ख) वह बहुत कंजूस थे|

(ग) वह लालची भी थे|

(घ) वे बातें बनाने में चतुर थे|

(ड़) वे अधिक खुशी में अपना होश खो देते थे|

<u>क्या बढ़ा, क्या घटा</u>

कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है , कुछ चीज़ें बढ़ती हैं और कुछ घटती है | बता ओं इ नका क्या हुआ , ये घाट या बढ़े?

उत्तर- नारियल का दाम घटा

भीखुभाई का लालच बढ़ा

रास्ते की लम्बाई बढ़ी

भीखुभाई की थकान बढ़ी

<u>कहो कहानी</u>

यदि इस कहानी में भीखुभाई को नारियल नहीं बल्कि आम खाने की इच्छा होती तो कहानी आगे कैसे बढ़ती? बताओ?

उत्तर- विद्यार्थी 'पाठ का सार' पढ़े और उसमें नारियल की जगह 'आम' लिखें| आम की कीमत को प्रति किलों बताएँ|

<u>बात की बात</u>

कहानी में नारियल वाले और भीखुभाई की बातचीत फिर से पढ़ो| अब इसे अपने घर की बोली में लिखो|

उत्तर- विद्यार्थी अपनी-अपनी स्थानीय बोली के अनुसार नारियल वाले और भिखुभाई की बातचीत लिखें|

शब्दों की बात

नाना-नानी पतीली-पतीला

ऊपर दिए गए उदाहरणों की मदद से नीचे दी गई जगह में सही शब्द लिखो|

उत्तर- काका - काकी

दर्जी - दर्जिन

मलिन - माली

टोकरी - टोकर

मटका - मटकी

गद्दा - गद्दी

<u>मंडी</u>

"मंडी में कोलाहल फैला हुआ था| व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाजें गूँज रही थी|

(क) मंडी में क्या-क्या बिक रहा होगा?

उत्तर- आलू, ब्याज, टमाटर, गाजर, बंदगोभी, फूलगोभी, बैंगन, सीताफल, पालक, लोकी, शलगम, चुकंदर, भिंडी, करेला, टिंडा, मिर्च, लहसुन, अदरक, नींबू, केला, संतरा, अंगूर, सेब, चीकू, पपीता, अमरूद, आदि|

(ख) मंडी में तरह-तरह की आवाजें सुनाई देती हैं|

जैसे- ताजा टमाटर! बीस रूपया! बीस रूपया! बीस रूपया!

उत्तर- आलू! आलू! दस का किलो! दस का किलो!

मीठी गाजर! मीठी गाजर! चार का पाव! चार का पाव

अदरक-मिर्च! अदरक-मिर्च! पाँच के पाव

मीठे सेब! ताजे सेब! तीस रूपया! तीस रूपया!

(ग) क्या तुम अपने आसपास की ऐसी जगह सोच सकते हो जहाँ बहुत शोर होता है| उस जगह के बारे में लिखो|

उत्तर- मेरे घर से थोड़ी दूरी पर एक मार्केट है| वहाँ बहुत शोर होता रहता हैं| वहाँ सड़क के दोनों किनारों पर दुकानें बनी हुई हैं| वहाँ किरयाने की, कपड़े की, बिजली के सामान की रेडियो- टी.वी. की, किताब-कॉपियों की दुकानें हैं| दुकादार ऊँची आवाजें

लगाकर अपने समान की तारीफ करते हुए ग्राहक को लुभाने की कोशिश करते हैं|

<u>गुजरात की झलक</u>

(क) 'मुफ़्त ही मुफ़्त' गुजरात की लोककथा है| इस लोककथा के चित्रों में ऐसी कौन-सी बातें हैं जिनसे तुम यह अंदाजा लगा सकते हो|

उत्तर- इस लोककथा के चित्रों में भीखुभाई के पहनावे, पेड़-पौधे, मंडी के दृश्य, ऊँट की पीठ पर लगा कपड़ा, ऊँटवाले, घोड़ेवाले, माली आदि के वस्त्रों को देखकर हम अंदाजा लगा सकते हैं कि 'मुफ़्त ही मुफ़्त' गुजरात की लोककथा हैं|

(ख) गुजरात में किसी का आदर करने के लिए नाम के साथ भाई बेन (बहन) जैसे शब्दों का प्रयोग होता हैं| तेलुगु में नाम के आगे 'गारू' और हिंदी में 'जी' जोड़ा जाता हैं|

तुम्हारी कक्षा में भी अलग-अलग भाषा बोलने वाले बच्चे होंगे! पता करो और लिखो कि वे अपनी भाषा में किसी को आदर देने के लिए किन-किन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं|

उत्तर- विद्यार्थी अपनी कक्षा में सहपाठियों से पूछकर अलग-अलग भाषाओं में बोले जाने वाले आदरसूचक शब्दों की सूची बनाएँ|